परमहंस स्वामी सत्यानन्द सरस्वती

के मुंगेर पदार्पण का प्रथम महोत्सव

तथा

श्रीनिवास कल्याणोत्सवम्

पादुका दर्शन, संन्यासपीठ

6 मई 2026

प्रात: 11 से दोपहर 1 बजे

योग नगरी मुंगेर, बिहार
के नागरिकों द्वारा आयोजित
तथा तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम्
द्वारा संचालित

आत्मस्वरूप
हरि: ॐ

श्रद्धा, आनंद और कृतज्ञता के भाव सहित, योग नगरी मुंगेर के नागरिक, विश्व योग पीठ तथा संन्यास पीठ के साथ मिलकर आपका परमहंस स्वामी सत्यानंद सरस्वती जी के **प्रथम मुंगेर पदार्पण** के ऐतिहासिक और पवित्र उत्सव में हार्दिक स्वागत करते हैं।

6 मई 1957 को श्री स्वामीजी पहली बार एक परिव्राजक संन्यासी के रूप में मुंगेर आए थे। उत्तरवाहिनी माँ गंगा ने उन्हें यहाँ आने के लिए प्रेरित किया। गहरे आध्यात्मिक अनुभवों के माध्यम से श्री स्वामीजी को ज्ञात हुआ कि मुंगेर आधुनिक वैश्विक योग आंदोलन का मुख्य केंद्र बनेगा। मुंगेर में ही श्री स्वामीजी ने योग का बीजारोपण किया, उसे पोषित एवं विकसित किया। 1963 में उन्होंने यहीं बिहार योग विद्यालय की स्थापना की और एक साथ अनेक दिव्य उद्देश्यों को साकार किया –

- स्वामी शिवानंद जी की शिक्षाओं को समर्पित आश्रम;
- ऐसा गुरुकुल जहाँ के आश्रम जीवन, सेवा और शिक्षण के वातावरण में रहते हुए व्यक्ति बेहतर बन सके और स्वास्थ्य, सुख-शांति एवं सामंजस्य पा सके;
- विश्व योगपीठ, जहाँ योग का शिक्षण और अभ्यास होता है तथा अपने जीवन में आत्मसात् और अभिव्यक्त किया जाता है।

श्री स्वामीजी के योग संकल्प के कारण ही 2005 में भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति, डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जी ने मुंगेर को योग नगरी घोषित किया था।

अब 2026 में, उनहत्तर सालों बाद पहली बार योग नगरी मुंगेर के योगानुरागी लोग मिलकर इस ऐतिहासिक अवसर को मनायेंगे। **6 मई 2026** को **पादुका दर्शन परिसर** में माँ गंगा के पावन तट पर मुंगेर पदार्पण दिवस का यह प्रथम कार्यक्रम बड़े धूमधाम से आयोजित किया जाएगा।

श्रीनिवास कल्याणोत्सवम्

इस पवित्र दिन का महाप्रसाद – इस उत्सव का विशेष आशीर्वाद है भक्तों के लिए भगवान श्री तिरुपति बालाजी का दिव्य दर्शन! इस शुभ अवसर पर भक्त –

- भगवान श्री तिरुपति बालाजी की उत्सव मूर्ति का दर्शन कर सकेंगे,
- श्रीनिवास कल्याणोत्सवम् देखेंगे,
- भक्ति, पवित्रता और दिव्य कृपा से भरे वातावरण में शामिल हो सकेंगे।

इस ऐतिहासिक अवसर पर भगवान तिरुपति बालाजी की उत्सव मूर्ति 6 मई 2026 को योग नगरी मुंगेर में उपस्थित होगी। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम् से आए विद्वान् पंडित एवं ब्राह्मण श्रीनिवास कल्याणोत्सवम् के समस्त कर्मकाण्ड, पूजा, भगवत्सेवा और अन्य धार्मिक कृत्य सम्पन्न करेंगे।

दर्शन का समय – पादुका दर्शन आश्रम के द्वार दर्शन के लिए प्रात: 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक खुलेंगे। सभी भक्तों से विनम्र निवेदन है कि परिसर में वे **सद्विचार, सद्व्यवहार एवं सत्कर्म** की मर्यादा का पालन करें, क्योंकि आप सृष्टिपति भगवान श्री तिरुपति बालाजी की साक्षात् दिव्य उपस्थिति में होंगे।

आशीर्वाद का ऐतिहासिक दिवस – गुरुदेव श्री स्वामीजी की कृपा से यह दिन बिहार और मुंगेर के लिए ऐतिहासिक बन गया है। यह शुभ अवसर एक परमपावन दिन के रूप में हमेशा याद रखा जाएगा – **जब भगवान श्री तिरुपति बालाजी बिहार आए और मुंगेर को अपने दिव्य सान्निध्य से धन्य किया।**

कृपया ध्यान दें – दोपहर 4 से 6 बजे तक भगवान श्री तिरुपति बालाजी का दर्शन पोलो मैदान में होगा।

आइए, हम सब भक्ति, कृतज्ञता और खुशी के साथ एकत्र हों,

हम सब श्री स्वामीजी के प्रथम मुंगेर पदार्पण का सम्मान करें,

हम सब गुरुदेव, माँ गंगा और भगवान श्री तिरुपति बालाजी का आशीर्वाद प्राप्त करें,

हम सब एक ऐसे दिन का हिस्सा बनें जो इतिहास, भक्ति, योग, कृपा और दिव्य नियति का संगम स्थान है।

ईश्वर करे कि यह पवित्र दिन सबके हृदय में भक्ति, मन में शांति और जीवन में कृपा लाए।

स्वागताभिलाषी,

स्वामी कैवल्यानन्द सरस्वती,
गौरव शर्मा, सत्येश शर्मा,
तथा योग नगरी मुंगेर के नागरिक

कृपया ध्यान दें –

- श्री तिरुपति बालाजी की मूल मूर्ति तिरुमाला में स्थापित है। उनकी उत्सव मूर्ति उनकी कृपा के संचार का माध्यम है।
- पादुका दर्शन में प्रवेश के लिए पारम्परिक भारतीय परिधान अनिवार्य होगा (पुरुषों के लिए धोती/कुर्ता-पायजामा, महिलाओं के लिए साड़ी/सलवार-कमीज़)

BIHAR YOGA

TIRUMALA TIRUPATI DEVASTHANAMS
श्रीनिवासो विजयते

SANNYASA PEETH

लोक-कल्याणार्थ आयोजित